BA Part - I (Subsidiary)

प्रश्न: कविवर सीताराम झाक स्वदेश भक्तिक परिचय करबाउ।

उत्तर: कविवर सीताराम झा ज्योतिषशास्त्रक प्रकाण्ड विद्वान ओ प्रामाणिक वक्ता छलाह। चौगामा, दरभंगा जिला मे जन्म 1891 ओ निधन 1975 ई० मे भेलनि। मैथिली कविताकें शास्त्रमत - व्याकरणक दृष्टि सँ बहुत योगदान रहलनि। ओना ओ पद्य पुस्तक रचना करैत छथि। हास्य - व्यंग्यक रचना हिनक बेजोड़ छनि। कविवर आशुकवि छलाह। हिनक मैथिली मे अम्बचरित महाकाव्य, सूक्ति सुधा, पढ़ुआ-चरित, उपदेशपुष्पमाला, उचित वक्ता, लोक-लक्षणा, मैथिली काव्यदर्श, मैथिली काव्योपवन, अलंकार दर्पण, गीता नवकुसुम आदि।

स्वदेशाभिमानक कवि समस्त मैथिल बन्धुकें ललकारा दऽ रहल छथि। मैथिलवृन्द ओ मिल-जुलि कें काज करथु जिनका जिनका जे आदि। ओ श्रीगणेश भगवानक सम्मुख पंडित सभक

कोन बखाना भऽ सकैछ जेना अन्हरियाक दीपक इजोत जेना नाटकक समक्ष की रहतैक मृगक नाभिक केसरक जेना बाल सुकामिनि केशक समक्ष तुच्छ होयत, स्वर्ग आ अपवर्गक सुख - स्वदेशक समक्ष तुच्छ छिक। देखू सोनाक पिंजड़ामे राजा ओतय सुग्गा रहैत अछि, राजा स्वयं ओकर सेवक बनि सेवा करैत छथि तथापि:-

नै बिसरै अछि कीर तथापि
अहा ! निज नीड़ सँ - बन्धुक संगति।

जखन एक पक्षी अपन भाई - बन्धुकें नहि बिसरैत अछि। अपन बोली भाषाकें नहि बिसरैत अछि तखन अहाँ लोकनि कोना बिसरैत छी। जे अपन भाषा आ देश बिसरैत अछि ओ तऽ - पशु कुकुर - कीड़ हुसौं; ओकरा नहि निश्छल भक्ति स्वदेशक।

स्वदेशक महत्ता सर्वोपरि थिक तें स्वदेश भाषा आ भेष कें कखनहुँ नहि बिसरू। जे बिसरैत अछि ओ कुकुर आ कौआक समान थिकाह। स्वदेशक उन्नतिकें सतत् ध्यान राखू। पूर्वजक यश-गौरवकें बढ़ाऊ, यैह अहाँ सभक कर्त्तव्य थिक।

रानी मिश्रा
मैथिली विभाग
R.N. College
Pandaul. Madhubani

Scanned with CamScanner